पूनरासर के पास खेत में बनी झोंपड़ी में लगी आग से सामान जलकर राख

बीकानेर, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ तहसील के पूनरासर गांव के पास ही स्थित एक ढाणी में खेत में बनी झोंपड़ी में आग लगने से गरीब किसान का घरेलू सामान जलकर राख हो गया। कुछ रूपए जरूरी कार्यों के लिए रखे गए थे, वो भी जल गए।

आसपास के लोगों ने आग पर काबू तो पाया लेकिन अंदर रखा अधिकांश सामान जल गया। पांच सौ रूपए के कुछ नोट भी जल गए हैं। श्रीडूंगरगढ़ के पूनरासर गांव की रोही में एक किसान परिवार की ढाणी में रहता है। वो जब अपनी झोंपड़ी से

■ पांच सौ रुपए के नोटों के साथ ही घर का सामान भी जलकर राख

श्रीडूंगरगढ़ के पूनरासर गांव की रोही में खेत में बनी झोंपड़ी में आग लगने से गरीब किसान का घरेलू सामान जलकर राख हो गया ।

बीकानेर सर्किट हाउस के पास मिट्टी के कट्टों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई।

बाहर आकर काम कर रहे थे, तभी झोंपड़ी से धुंआ निकलता देखा गया। अज्ञात कारणों से झोंपड़े में आग लग गई। रेड़ा निवासी पूनम ढोली अपनी पत्नी, दो बेटियां व दो बेटों के साथ काश्तकार के रूप में ढाणी रह रहा था। आग लगने पर आस पास की ढाणियों से भी किसान एकत्रित हो गए व आग बुझाने के प्रयास किए गए परंतु बर्तन, बिस्तर सहित राशन का सामान व परिवार की मामूली बचत भी जलकर खाख हो गई है।

परिवार ने रात खुले में गुजारी और सुबह पूनरासर बजरंग दल के युवाओं ने आपसी सहयोग से जरूरतमंद परिवार को बिस्तर, बर्तन व राशन की कुछ मदद की है। लक्ष्मण सारण ने बताया कि सर्दी के मौसम में जरूरतमंद परिवार पर बड़ा संकट आ गया है।

चार बच्चों के साथ कपड़ों सहित राशन की भी मुश्किल खड़ी हो गई है। वहीं घटना की पूरी जानकारी हल्का पटवारी को दे दी गई है व प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। पूनम ढोली व उनके परिवार ने ग्रामीणों सहित प्रशासन से मदद कर रहा है।

तेज रफ्तार ट्रॉली पलटी : बीकानेर सर्किट हाउस के पास मंगलवार सुबह सड़क हादसा टल गया। यहां एक भारी भरकम ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। तेज स्पीड के चलते अचानक ब्रेक लगने के कारण ट्रॉली पलट गई। इसमें रखा सामान भी बिखर कर सड़क पर बिखर गया। फिलहाल पुलिस ने रास्ता खुलवा दिया है।

सर्किट हाउस के ठीक सामने जयपुर रोड पर ये ट्रॉली मंगलवार सुबह आई थी। स्पीड के बीच में ही अचानक ब्रेक लगने से ट्रॉली पलट गई। ट्रोले के अंदर कट्टे रखे हुए थे, जिसमें मिट्टी भरी हुई थी। घटना के वक्त आसपास के लोग वॉक पर आये थे। ट्रोली पलटने से तेज आवाज हुई, जिससे लोग यहां पहुंचे और ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। ट्रॉली के अंदर मिट्टी से भरे कट्टे थे, जो सड़क पर इधर-उधर बिखर गए। जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया।

मंगलवार को देवनारायण जयंती के अवकाश के दिन स्कूलों में छुट्टी के कारण यहां ट्रैफिक कम था। ऐसे में वाहनों की कतार ज्यादा लम्बी नहीं लगी। रास्ते पर भी ज्यादा लोग नहीं थे, ऐसे में बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना की जानकारी मिलने पर सदर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

ट्रोले को हटाया गया। पुलिस ने ट्रोले के चालक से पूछताछ शुरू की है कि हादसा कैसे हुआ और वो इस तरफ क्यों आया था। दरअसल सर्किट हाउस के सामने वाले मार्ग पर भारी वाहनों की एंट्री नहीं है। टाउन हॉल के आगे से होकर भारी वाहन जयपुर की ओर मुड़ जाते हैं।

दिल्ली के लिए इंडिगो की रोज उड़ान 7 से

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर से दिल्ली के लिए हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। 7 फरवरी से इंडिगो एयरलाइन की नियमित उड़ान शुरू होने जा रही है। इससे दिल्ली के लिए हवाई सेवा का विस्तार होगा और यात्रियों को अधिक विकल्प मिलेंगे।

वर्तमान में एलाइंस एयर की केवल सप्ताह में दो दिन उड़ान संचालित होती है, लेकिन अब इंडिगो की सेवा शुरू होने के बाद दो उड़ानों की सुविधा मिलेगी। इंडिगो कंपनी ने पैसेंजर से टिकट बुकिंग एक सप्ताह पहले ही शुरू कर दी थी। कंपनी ने अपने स्टाफ की तैनाती भी नाल एयरपोर्ट पर कर दी है।

इंडिगो के ग्लोबल सेल्स प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि हम बीकानेर को राजस्थान में अपने पांचवें गंतव्य के रूप में जोड़ने को लेकर उत्साहित हैं। इंडिगो अब राजस्थान से 450 से अधिक साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगा, जो 20 गंतव्यों को सीधे राज्य से जोड़ेगा। यह नया मार्ग बीकानेर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत तक आसान पहुंच प्रदान करेगा, जिससे न केवल पर्यटन बल्कि व्यापार भी फले-फूलेगा।

बीकानेर से दिल्ली-फ्लाइट संख्या 6-7443 सुबह 10:05 बजे रवाना होगी और 11:20 बजे दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली से बीकानेर -फ्लाइट संख्या 6-7442 सुबह 8:25 बजे रवाना होगी और 9:45 बजे बीकानेर पहुंचेगी। अब दिल्ली के लिए केवल एलाइंस एयर पर निर्भर नहीं रहना होगा।

सार-समाचार

कैंसर के कारणों की जानकारी दी

'कैंसर के कारण और बचाव' विषयक संगोष्ठी को वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। विश्व कैंसर डे के अवसर पर मंगलवार को मुक्ति संस्थान और संजीवनी लाइफ बियोंड कैंसर द्वारा मुक्ति नाथ परिसर में 'कैंसर : कारण और बचाव' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने कहा कि भारत जैसे देश में कैंसर जैसी बीमारी चिंता का कारण बन रहा है। देश में कैंसर पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पुरूषों में फेफड़ों का कैंसर और महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे अधिक है। प्रति नौ में से एक व्यक्ति को औसतन कैंसर होने हो रहा है। उन्होंने कहा कि तंबाकू सहित विभिन्न नशे और जीवनशैली की आदतें इसका सबसे बड़ा कारण है। जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक हरिशंकर आचार्य ने कहा कि देश के उत्तर और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में कैंसर के सर्वाधिक मरीज हैं। वर्ष 2022 में भारत में अनुमानित 1.4 मिलियन नए कैंसर के मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि कैंसर से जुड़े लक्षण पाए जाने पर तत्काल चिकित्सकीय मार्गदर्शन लेना चाहिए। संजीवनी लाइफ बियोंड कैंसर के अभिषेक जोशी ने कहा कि भारत में कैंसर की घटनाओं में 2020 की तुलना में 2025 तक 12.8 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। कैंसर की समय पर जांच और उपचार जरूरी है। उन्होंने कहा कि कैंसर के विरूद्ध जागरूकता जरूरी है। इस दौरान सत्य नारायण आचार्य, दिनेश चूरा, संदीप पुरोहित, वीरेन्द्र व्यास, सुभाष जोशी आदि ने भी विचार रखे।

नवल गौरव पुरस्कार से नवाजा

पंडित संतोषानंद सरस्वती ने वाल्मीकि समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को नवल गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया।

बीकानेर, (कासं)। वाल्मीकि समाज के आराध्य कुलगुरू महर्षि नवल साहेब का 242 वां जन्मोत्सव का मुख्य कार्यक्रम व नवल गौरव सम्मान समारोह स्थानीय राजमाता सुदर्शन कुमारी कला दीर्घा में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पं. संतोषानंद सरस्वती कहा कि शिक्षा की कड़ी में जुड़कर ही समाज का उद्धार हो सकता है। समाज अगर संगठित होकर के कार्य करें तो अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवलाल तेजी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वाल्मीकि समाज के आराध्य कुलगुरू महर्षि नवल साहेब ने हमेशा अपनी वाणी से समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने, अंधविश्वास को दूर करने का भी संदेश दिया। वरिष्ठ महंत सुरेश चांवरिया, वाल्मीकि यूथ क्लब के शहर अध्यक्ष साजन कुमार जावा, वाल्मीकि यूथ क्लब के प्रदेश संगठन महासचिव सुनिल चांवरिया आदि ने संयुक्त रूप कहा कि हमें महर्षि नवल साहेब के बताये सिद्धांतों पर चलते हुए समाज को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाना होगा। वाल्मीकि यूथ क्लब के प्रदेशाध्यक्ष राहुल जादुसंगत ने कहा कि समाज की 7 प्रतिभाओं का अलग-अलग क्षेत्र में महर्षि नवल गौरव सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्याम निर्मोही ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वाल्मीकि यूथ क्लब के प्रदेश संगठन महासचिव सुनील चांवरिया, सोनू बारासा, राहुल बिवांल, विजय पंडित, संत श्रवण कुमार घारू, राकेश पंडित, सौहार्द वाल्मीकि, पूनमचंद कंडारा, तुलसीराम चांवरिया, लीलाधर पंडित, चेतन जावा, मूरली चांवरिया दिलीप घारू, चैनरूप सियोता, मोतीलाल सरवटे, दिलीप पांडे, चन्द्र प्रकाश पंडित, हीरालाल तेजी, मुकेश चांवरिया, गौरीशंकर गुजराती, करण चांवरिया, रामप्रसाद जादुसंगत, राजेश तेजी, जसराज पंडित, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के प्रमुख लोग उपस्थित थे।

लीडलैस पेसमेकर का प्रत्यारोपण

बीकानेर, (कासं)। आयुष्मान हार्ट केयर सेंटर में पहली बार लीडलैस पेसमेकर का सफल प्रत्यारोपण किया गया। यह जटिल प्रक्रिया वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.एल. स्वामी और उनकी टीम ने महज 20 मिनट में पूरी की। 65 वर्षीय मरीज जो पारंपरिक पेसमेकर से बार-बार संक्रमण का शिकार हो रहा था को इस नई तकनीक से राहत मिली। बिना किसी चीर-फाड़ के, विटामिन की गोली के आकार का यह पेसमेकर जांघ के रास्ते से हार्ट में प्रत्यारोपित किया गया। अत्याधुनिक माइक्रो ए.वी. पेसमेकर की कीमत लगभग 14 लाख रूपये है। इस विशेष मामले में डॉ. स्वामी ने प्रक्रिया शुल्क पूरी तरह से माफ किया और विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं एवं भुवनेश अरोड़ा जैसे समाजसेवियों के सहयोग से मरीज को काफी हद तक आर्थिक मदद दी गई। मरीज के परिजनों ने डॉ. बी.एल. स्वामी, अस्पताल प्रशासन और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। समाजसेवियों से ऐसे नेक कार्यों में योगदान देने का अनुरोध किया। आयुष्मान हार्ट केयर सेंटर बीकानेर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने गंभीर हृदय रोगियों के लिए नई उम्मीद जगाई है।

बीछवाल में सिक्सलेन के बीच 99 पेड़, 84 पोल बने बाधा

बीकानेर,(कासं)। म्यूजियम सर्किल से बीछवाल के बीच 2 साल में पीडब्लयूडी 3 किलोमीटर सड़क बना पाया। यहां इतनी बाधाएं और सरकारी महकमे इन्वॉल्व हैं कि काम बढ़ने से ज्यादा रूक रहा है। श्रीगंगानगर चौराहे से बीछवाल तक करीब 80 बिजली के पोल हैं जो सिक्सलेन के बीच आ रहे हैं। इन्हें हटाने के लिए 99 पेड़ भी काटने होंगे। वन विभाग से इसकी अनुमति मांगी तो विभाग ने 11 एकड़ जमीन बदले में मांग ली।

दरअसल पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने म्यूजियम सर्किल से बीछवाल तक 11 किलोमीटर सिक्सलेन मंजूर की थी। इसके लिए 33 करोड़ रूपए मंजूर किए थे। सरकार ने टेंडर किए। बीछवाल की ओर से सिक्सलेन का काम शुरू हुआ। 3 किमी सड़क बन भी गई लेकिन जैसे ही एग्रीकल्चर यूनिर्वसिटी के करीब आये तो बीच में बिजली के खंभे और पेड़ आ गए। उनको हटाए बिना

■ सिक्सलेन के बीच आ रहे बिजली पोल को हटाने के लिए 99 पेड़ भी काटने होंगे

■ वन विभाग से पेड़ काटने की अनुमति मांगी तो विभाग ने 11 एकड़ जमीन बदले में मांग ली

सिक्सलेन बन नहीं सकता। श्रीगंगानगर से बीछवाल की ओर चलने पर बाई साइड में करीब 31 बिजली और दूसरी साइड में 45 से ज्यादा बिजली के खंभे हैं जो सिक्सलेन के बीच आ रहे। बिजली के खंभे हटाने और सिक्सलेन का रास्ता क्लीयर करने के लिए 99 पेड़ भी बीच में आ रहे। इन पेड़ों को काटने की अनुमति दो साल पहले ही पीडब्लयूडी विभाग ने वन विभाग से मांगी थी। पहले तो वन विभाग ने कोई एक्शन नहीं लिय।

अब खबर आई कि 99 पेड़ काटने के बदले 11 एकड़ जमीन मांगी है ताकि वहां काटे गए पेड़ों के बदले दूसरे पेड़ लगाये जा सकें। इतनी जमीन पीडब्लयूडी के नहीं पास है। इसलिए इस मामले की अब कलेक्टर को जानकारी दे दी गई।

कलेक्टर राजस्व या बीडीए से अगर जमीन वन विभाग को उपलब्ध कराएं तो ही पेड़ कटेंगे और तभी सड़क बनेगी। जो 33 करोड़ रूपए मंजूर हुए वो पूर्ववर्ती सरकार ने मंजूर किया था। शुरू के 3 किलोमीटर सड़क का करीब पौने तीन करोड़ रूपए का बजट भी वर्तमान सरकार ने मुश्किल से पारित किया। 33 करोड़ के आनुमानित बजट में अब तक 3 करोड़ ही मंजूर हुए। वन विभाग पेड़ काटने को राजी भी हो जाए तो भी वापस बजट की जरूरत पड़ेगी तो वो सरकार से मिलेगा ये कहना मुश्किल हैं।

बिजली के खंभे से टक्कर, बिजली गुल

नोखा, (कासं)। नोखा में माहेश्वरी भवन के पास एक वाहन के बिजली के खंभे से टकराने के कारण क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई।

इस हादसे में वाहन चालक बाल-बाल बच गया लेकिन जोरावरपुरा और हरिराम जी मंदिर क्षेत्र के निवासी बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार वाहन चालक ने अचानक ब्रेक लगाया जिससे गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे के 17 घंटे बाद भी विद्युत विभाग द्वारा आपूर्ति बहाल नहीं की गई है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बिजली कटौती से क्षेत्र का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लोगों के मोबाइल और इन्वर्टर डिस्चार्ज हो गए हैं। घरों में गीजर, टीवी सहित अन्य विद्युत उपकरण बंद पड़े हैं। पानी की आपूर्ति भी प्रभावित होने से लोगों को ठंडे पानी से स्नान करना पड़ रहा है।

बीकानेर शहर भाजपा अध्यक्ष का चुनाव टला

बीकानेर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी ने बीकानेर में देहात अध्यक्ष पद का चुनाव तो करा दिया लेकिन शहर अध्यक्ष के लिए मुकाबला होना अभी शेष है।

माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के लिए आवश्यक संख्या पूरी होने के बाद शहर में चुनाव की जरूरत ही महसूस नहीं हुई। अब पहले प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होगा और बाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष का। इस प्रक्रिया के पूरी होने के बाद ही बीकानेर सहित अन्य जिलों में शेष रहे चुनाव होंगे।

बीकानेर में शहर अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं होने का बड़ा कारण सहमति नहीं बन पाना था। अब पांच फरवरी को प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही बीकानेर में चुनाव होंगे। दरअसल प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन के लिए 28 जिलाध्यक्षों के वोट चाहिए। ऐसे में अब तक सिर्फ उन्हीं जिलों में जिलाध्यक्ष बने हैं, जहां किसी तरह का कोई विवाद नहीं है। जहां भी थोड़ा बहुत विवाद है, उसे छोड़ दिया है। राज्य के

■ महावीर रांका और मोहन सुराना में राजनीतिक खींचतान बरकरार

44 जिलाध्यक्ष होने पर अगर 28 एकतरफ होते तो प्रदेश अध्यक्ष बन जायेगा। ऐसे में अब तक निर्वाचित 28 जिलाध्यक्षों से एक ही नाम लेकर प्रदेश अध्यक्ष का गठन हो जायेगा।

दरअसल बीकानेर से तीन वैश्य समुदाय के नेता शहर जिलाध्यक्ष के दावेदार है। इसमें सबसे आगे दो नाम महावीर रांका और मोहन सुराना का है। महावीर रांका पहले नगर विकास न्यास के चेयरमैन रह चुके हैं। जबकि मोहन सुराना अर्से से संगठन में महासचिव के पद पर काबिज है। इन दोनों के बीच राजनीतिक खींचतान रही है। पिछले दिनों दोनों के बीच समझौते की बात भी आई। माना गया कि एक ने नाम वापस लेने का आश्वासन दिया है। स्पष्ट तौर पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

बंद मकानों से लाखों के जेवर व नकदी चोरी

बीकानेर, (कासं)। साइकिल पर सवार होकर पहुंचे नकाबपोश चोर ने सुदर्शना नगर के बंद मकानों में सेंधमारी की और लाखों रूपए के नकदी-जेवरात लेकर फरार हो गया।

एक नकाबपोश चोर सुदर्शना नगर के बी सेक्टर में पहुंचा और वहां दो बंद मकानों में सेंधमारी की। घरों में कूदकर मैन गेट के ताले तोड़े और अंदर रखा सामान खंगाल लिया। चोर ने केवल सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुराई और फरार हो गया। इसके अलावा घरों में रखे अन्य कीमती सामान को नहीं छेड़ा। मकान नंबर बी 4-436 के मालिक जितेन्द्र खत्री ने बताया कि वह 31 जनवरी को घर बंद कर परिवार सहित बीकानेर से बाहर गए थे। साइकिल पर आये चोर ने घर

■ साइकिल सवार नकाबपोश सेंधमारी करते कैमरे में कैद

से सोने का 25 ग्राम का मंगलसूत्र, 15 ग्राम की चैन, 6 ग्राम का लॉकेट, 15000 रूपए नकद और चांदी के जेवर चुरा लिए। राहुल बजाज के बंद मकान नंबर बी4-471 में भी सेंधमारी की और सोने की दो चूड़ियां, दो ईयररिंग, एक अंगूठी, 14000 रूपए और चांदी के जेवरात चुराए। चोर ने दोनों घरों में करीब 30 मिनट में वारदात को अंजाम दिया। पड़ौस में लगे सीसीटीवी कैमरे में साइकिल सवार नकाबपोश के फुटेज मिले हैं।

कुत्तों के हमले में हिरण घायल

नोखा, (कासं)। नोखा उपखंड में आवारा कुत्तों ने एक हिरण पर हमला कर दिया। घटना सारूंडा बास स्थित भोजास सारूण्डा सड़क पर हुई। स्थानीय निवासी भंवरलाल बिडासर और विक्की डूडी की सतर्कता से हिरण की जान बच गई।

घायल हिरण को देखते ही दोनों युवकों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पशु चिकित्सक डॉ. जे.पी. से संपर्क किया। डॉक्टर ने हिरण का प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद वन्यजीव प्रेमी बजरंग चिताणा को सूचित किया गया, जिन्होंने रेस्क्यू टीम के साथ मिलकर हिरण को सुरक्षित रेस्क्यू सेंटर पहुंचाया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हिरण की हालत अब स्थिर है और उसका इलाज जारी है। पशु चिकित्सक उसका उपचार व देखभाल कर रहे हैं।

पति को पुलिस ले गई गर्भवती पत्नी को निकाल मकान सीज

बीकानेर, (कासं)। मकान मालिक प्रयागराज कुंभ मेले में सेवा के लिए गया हुआ था। पीछे से बीडीए ने पुलिस बल ले जाकर मकान सीज कर दिया। मकान मालिक के बेटे को पुलिस पकड़ ले गई। उसकी गर्भवती पत्नी को घर से निकाल दिया गया।

यह घटनाक्रम मरूधरा नगर में हुआ। दरअसल मकान संख्या 114 वंदना शर्मा और 115 योगेंद्र दाधीच का है। दोनों के बीच एक साल से विवाद चल रहा है। दोनों ने ही सीएमओ तक सेटबैक को लेकर शिकायतें कर रखी हैं। बीडीए तहसीलदार आकांक्षा गोदारा दल बल सहित पहुंची। जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने से जाब्ता बुलाया गया और दोनों मकान सीज कर दिए

■ मरूधरा नगर में दो मकान मालिकों के बीच सैटबैक का विवाद चल रहा था

गए। योगेंद्र दाधीच पत्नी सहित प्रयागराज कुंभ मेले में सेवा के लिए गए हैं। घर में उनका पुत्र रजत और पुत्रवधू ममता थी। ममता सात माह से गर्भवती है। बीडीए के अधिकारियों ने मकान मालिक के लौट कर आने तक का इंतजार नहीं किया और दोनों पति-पत्नी को बेदखल कर दिया।

योगेंद्र ने बताया कि पुलिस ने उसके बेटे को बेरहमी से पीटा और गाड़ी में डालकर ले गई। यह दृश्य देख ममता मानसिक परेशानी में आ गई। उन्होंने बताया कि बीडीए ने तीन फरवरी को मकान खाली करने का नोटिस 31 जनवरी को दिया था। जबकि उन्हें बताया गया कि हम कुंभ मेले में गए हैं।

योगेंद्र का कहना है कि उन्होंने 2007 में मकान बनाया था। तब सेटबैक छोड़ने का कानून नहीं था। इसलिए उन पर यह लागू नहीं होता। हमारा पक्ष सुने बिना यह कार्यवाही दबाव में की गई है। पड़ौसी के खिलाफ पिछले साल जेएनवीसी थाने में केस दर्ज कराया था जिसमें पुलिस ने मिलीभगत से एफआर लगा दी। अब आईजी के आदेश पर दुबारा जांच हो रही है।

मर्यादा बंधन नहीं स्वछंदता पर अंकुश लगाने की व्यवस्था है : साध्वी प्रांजल प्रभा

बीकानेर, (कासं)। आचार्य श्री भिक्षु द्वारा प्राण प्रतिष्ठत जयाचार्य द्वारा सृजित तेरापंथ धर्म संघ की आन बान - शान का प्रतीक 161 वां मर्यादा महोत्सव आज गंगाशहर के तेरापंथ भवन में चतुर्विद धर्म संघ की उपस्थिति में मनाया गया।

समारोह में बोलते हुए उग्र विहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार ने तेरापंथ धर्म संघ के प्रथम आचार्य थे। आचार्य भिक्षु ने वि.स. 1859 माघ शुक्ला सप्तमी को आज से 222 वर्ष पूर्व एक मर्यादा पत्र लिखा जो एक पन्ना है। जो आज भी तेरापंथ धर्म संघ को अनुशासित ओर व्यवस्थित बनाये रखा है। तेरापंथ धर्म संघ के चतुर्थ आचार्य श्रीमद् जयाचार्य ने वि.स.1921 में बालोतरा में इसका शुभारंभ किया। जो आज भी मर्यादा महोत्सव अनवरत जारी है। साध्वी प्रांजल प्रभा ने कहा कि जैन वांग्मय में कहा गया है कि धर्म का

बीकानेर में तेरापंथ धर्म संघ के161 वें मर्यादा महोत्सव समारोह को मुनि कमल कुमार ने संबोधित किया।

मूल है विनय। विनय का अर्थ है आचार, अनुशासन और मर्यादा। मर्यादा बनाना कठिन नहीं है मर्यादा के प्रति निष्ठा पैदा करना कठिन है। जो मेधावी होता है वह मर्यादा का पालन करता है। दुनिया की कोई भी वस्तु मर्यादा के बिना सुरक्षित नहीं रह सकती। एकांकी व्यक्ति भी मर्यादा के बिना नहीं रह सकता तथा आगे नहीं बढ़ सकता। आज के दिन धर्म संघ के सभी को गुरू दृष्टि की उत्सुकता रहती है। आचार्य भिक्षु ने कहा था कि साधु-संत प्रवचन करते हैं, उससे धर्मसंघ की प्रभावना होती है और अपने कर्मों की निर्जरा भी होती है। जो अनुशासन से जुड़ा होता है और मर्यादा

■ तेरापंथ का 161 वां मर्यादा महोत्सव समारोह सम्पन्न

की डोर से जुड़ा रहता है उसका चहुंमुखी विकास होता है। मर्यादा बंधन नहीं है स्वछंदता पर अंकुश लगाने की व्यवस्था है। आज के दिन चिंतन मंथन करें कि हम मर्यादा के प्रति कितने जागरूक हैं। साध्वी चरितार्थ प्रभा ने कहा उस संघ का महत्व होता है जो मर्यादा और अनुशासन के साथ साधना करने का उचित अवसर और वातावरण प्रदान करता है। जिससे व्यक्ति अंतिम मंजिल मोक्ष तक पहुंचाने में सहायक बनता है । संघ है तो मर्यादा है और मर्यादा है तो संघ है । धर्मसंग एक प्रकार का आवरण है, मकान है जो हमें सुरक्षा प्रदान करता है । आश्रय देता है और संघबन्ध साधना करने की दृष्टि से हमें निश्चित बनता है।

आज से प्रदेश भर में शुरू होगी फार्मर रजिस्ट्री

बीकानेर, (कासं)। कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति लाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए फरवरी माह से एग्रीस्टैक योजना शुरू की जा रही है।

योजना के अन्तर्गत किसानों की जानकारी का व्यापक डेटाबेस तैयार करते हुए प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी प्रदान की जायेगी। इससे किसानों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सुगमता एवं पारदर्शिता आएगी। राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर दिसम्बर में सीकर जिले से इस मिशन को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया था। आगामी फरवरी माह से इसे प्रदेश भर में शुरू किया जा रहा है। इसके तहत चरणबद्ध रूप से ग्राम पंचायत स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री के लिए कैम्प लगाए जायेंगे। सभी किसानों को एग्रीस्टैक कृषि से जोड़ा जायेगा, जिससे कोई भी अन्नदाता सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं के लाभसे वंचित नहीं रहें।

जिला कलक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि ने बताया कि एग्रीस्टैक योजना का उद्देश्य किसानों के लिए सस्ता ऋण, उच्च गुणवत्ता वाले कृषि इनपुट, स्थानीयकृत और विशिष्ट सलाह और बाजारों तक अधिक सूचित और सुविधाजनक पहुंच प्राप्त करना आसान बनाना है। एग्रीस्टैक योजना के तहत सरकारों के लिए विभिन्न किसान और कृषि-केंद्रित लाभ योजनाओं की योजना बनाना और उन्हें लागू करना आसान होगा।

उल्लेखनीय है कि एग्रीस्टैक कृषि से संबंधित डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने की केन्द्र सरकार की परियोजना है। इसके अंतर्गत डिजिटल रूप में क्रॉप सर्वे, फार्मर रजिस्ट्री एवं भू-संदर्भित नक्शे का डेटाबेस निर्माण कर प्रत्येक किसान को विशिष्ट आईडी प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर डेटा तैयार करने से लेकर पीएम किसान सम्मान निधि में ऑटोमेशन, किसान क्रेडिट कार्ड सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई- निविदा सूचना
वरि. मंडल बिजली इंजीनियर/टीआरडी, उ.प. रेलवे बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते है। Tender Notice No.: 19-TRD-BKN-E Tender-2024-25. Name of work: Development of esisting tower wagon to smart tower wagon under Bikaner division. Approx Cost of the work : ₹ 29,40,000/- EMD/SD (Rupees): ₹ 58,800/- सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: http://www.ireps.gov.in ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय: 28.02.2025 को 15.00 बजे तक। ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय: 28.02.2025 को 15.00 बजे के बाद।
145-AR/25
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें